	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुक्म की तारीख में जारी हुए
3-6-22	पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपस्थित प्रकरण मे पत्थरगढी करा पालना रिपोर्ट के इन्तजार मे थी। प्रकरण का गहन अवलोकन करने पर ज्ञात हुआ प्रकरण की उक्त आराजी का प्र.स. 84/15 व अनवान रमजान बनाम मेमूदा का पहले से ही न्यायालय मे विचाराधिन है। उक्त आराजी की न्यायालय के आदेशानुसार पत्थरगढी कार्यवाही पूर्ण कर दी गई है। जिससे प्र.स. 84/15 व अनवान रमजान बनाम मेमूदा पत्थरगढी होने से फैसल हो चुकी है। चूंकी इस प्रकरण की आराजी स 13.78, 1379 1380, 1384, 1385, 1388, 1389, कुल किता 7 कुल रकबा 1.3030 है भी एक ही होने से एक ही आराजी व एकही रकबे की पत्थरगढी दो बार नही की जा सकती है। अत: प्रा.पत्र खारिज कियाजाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। [signature]	